पाठ 19. जल ही जीवन है

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में समस्या के समाधान की क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता विकसित कर सकें। जल ही जीवन है। इस जीवन रूपी जल को हम तरह-तरह का कचरा व गंद डालकर दिन पर दिन दूषित करते जा रहे हैं। जल के स्वच्छ रूप के बिना जीवन पर खतरा मँडराएगा। लेखक ने हमारा ध्यान इस ओर खींचा है।

पाठ का सार

जब तक पानी जिसे आसानी से मिल रहा है, वह उसके महत्व को उतना नहीं पहचानेगा। पृथ्वी पर कुछ प्राणी जैसे- मछली आदि ऐसे हैं जो हवा के बिना कुछ वक्त गुजार सकते हैं पर पानी न मिले तो उनके प्राण संकट में आ जाएँगे। धरती पर उपलब्ध कुल पानी का 97% सागर के पास है, जिसे पिया नहीं जा सकता। शेष पानी का दो-तिहाई भाग बर्फ़ के रूप में जमा है जो यदि पिघले नहीं तो किसी काम न आएगा। बचा, केवल एक प्रतिशत पानी जो नदियों और तालाबों में होता है। इस एक प्रतिशत पानी को भी हम प्रदूषित कर रहे हैं। तरह-तरह का कचरा, मल-मूत्र व दूसरे रसायनों के घोल उसमें मिलाकर, जीवन के इस आधार अर्थात् पानी के साथ यदि हमारा व्यवहार नहीं बदला तो भविष्य संकटों से भर जाएगा। पश्चिम के कई देशों में कचरे से खाद, गैस व काम की दूसरी चीज़ें बनाकर व पानी को साफ़ करने के तरीके अपनाकर पानी को प्रदूषणरहित रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे ही प्रयासों की आवश्यकता हमारे देश में भी महसूस की जा रही है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  जल की महत्ता व उसकी उपयोगिता की चर्चा करें। 'रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून' का भावार्थ बताते हुए जल संरक्षण की आवश्यकता बतलाएँ। जल प्रदूषण से होने वाली परेशानियों की चर्चा भी करें। साफ़ जल व गंदा जल में अंतर बतलाएँ। हमारे कुछ क्रियाकलाप जल प्रदूषण को बढ़ावा देते हैं। ऐसे क्रियाकलापों से बचने के उपाय बच्चों से पूछें व स्वयं भी बताएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 65** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - समानार्थी शब्दों के बारे में अन्य उदाहरण भी दें। कुछ शब्दों के समानार्थी शब्द विपरीत लिंग के होते हैं, यह वाक्य बनवाकर समझाया जा सकता है।
  - कुछ विशेषण शब्द क्रिया से बनते हैं और कुछ विशेषण शब्द संज्ञा से बनते हैं। उदाहरण देकर यह समझाएँ।
  - वाक्य-निर्माण में शुद्धियों पर विशेष ध्यान देने को कहें।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - यह चित्र जल-चक्र के बारे में है, यह समझाएँ। बच्चों को बताएँ कि प्रकृति में जल-चक्र का क्या महत्व है।